



भारत

का

←————→
सामान्य

अध्ययन



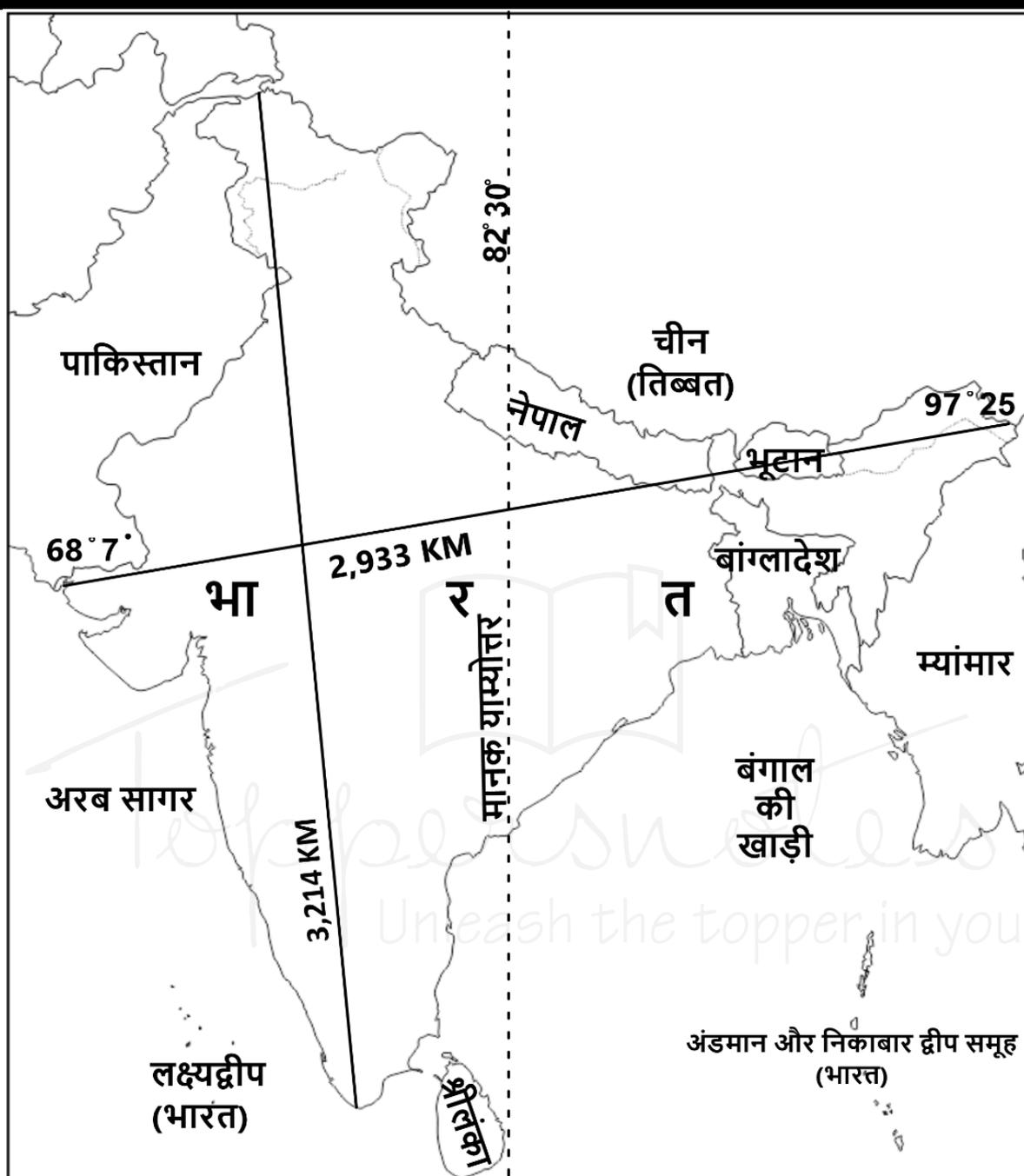
क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
भारत का भूगोल		
1.	भारत की स्थिति और विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक प्रदेश	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	20
4.	भारत की जलवायु	28
5.	जैव विविधता संरक्षण	34
6.	प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न	39
7.	भारत के खनिज संसाधन	46
8.	ऊर्जा संसाधन	53
9.	भारत के प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक क्षेत्र	62
10.	परिवहन	66
11.	विश्व भूगोल के महत्वपूर्ण तथ्य	70
भारत का इतिहास		
1.	प्राचीन इतिहास	78
2.	मध्यकालीन भारत	96
3.	आधुनिक भारत का इतिहास	111
भारतीय संविधान		
1.	भारतीय संविधान का ऐतिहासिक आधार	142
2.	संविधान सभा	144
3.	प्रस्तावना	145
4.	संविधान की विशेषताएँ	146
5.	मौलिक अधिकार	148
6.	राज्य के नीति-निदेशक तत्व	151
7.	मूल कर्तव्य	152
8.	संघवाद	153
9.	संघ सरकार (राष्ट्रपति)	155
10.	उपराष्ट्रपति	159

11.	महान्यायवादी	160
12.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	161
13.	संसद	163
14.	उच्चतम न्यायालय	168
15.	राज्य सरकार	172
16.	मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद्	175
17.	उच्च न्यायालय	175
18.	पंचायती राज	178
19.	जिला परिषद्	180
20.	शहरी स्थानीय-स्वशासन	181
21.	चुनाव आयोग	182
22.	संघ लोक सेवा आयोग	183
23.	केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण	183
24.	नियंत्रक व महालेखा परीक्षक	183
25.	C.B.I	184
26.	केन्द्रीय सतर्कता आयोग	184
27.	लोकायुक्त	185
28.	लोकपाल	185
भारतीय अर्थव्यवस्था		
1.	बजट निर्माण	186
2.	भारत में बैंकिंग	190
3.	लोक वित्त	209
4.	कर सुधार	216
5.	राष्ट्रीय आय	225
6.	आर्थिक संवृद्धि एवं विकास	233
7.	मौद्रिक नीति	238
8.	अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र	248
9.	हरित क्रांति	264
10.	भारत में योजनाएँ	268

अन्य सामान्य ज्ञान

1.	इतिहास, कला एवं संस्कृति	
2.	राजनीतिक व्यवस्था	
3.	अंतर्राष्ट्रीय विषय	
4.	अर्थव्यवस्था	
5.	भूगोल एवं पर्यावरण	
6.	विज्ञान	
7.	खेलकूद, महत्वपूर्ण व्यक्ति एवं व्यक्तित्व	
8.	समसामयिक विषय	

भारत की स्थिति और विस्तार



- उत्तरी गोलार्ध में स्थिति (8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश ; पूर्व 68°7' से पूर्वी देशांतर 97°25')
- सीमाएं :
 - उत्तर: महान हिमालय
 - पश्चिम: अरब सागर
 - पूर्व: बंगाल की खाड़ी
 - दक्षिण: हिंद महासागर।
- विश्व का 7वां सबसे बड़ा देश।
- सबसे उत्तरी बिंदु : इंदिरा कोल
- सबसे दक्षिणी बिंदु: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इंदिरा पॉइंट।

- सबसे पूर्वी बिंदु: अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में किबिथू के पास
- पश्चिमीतम बिंदु: कच्छ में सर क्रीक, गुजरात में "गौहर माता" के पास।
- लंबाई: 3214 किमी
- चौड़ाई: 2933 किमी (अनुदैर्घ्य अंतर: 300 या 2 घंटे)
- क्षेत्रफल: 32,87,263 वर्ग किमी (दुनिया का 2.42%)
- जनसंख्या: विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश (विश्व की जनसंख्या का 17.5%)
- कुल भूमि सीमा = 15,200 किमी।

- कुल समुद्री सीमा = 7516.5 किमी (बिना द्वीपों के 6100 किमी)

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	पाकिस्तान
शष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	नाईजीरिया
सप्तम	भारत	ब्राजील
अष्टम	अर्जेन्टीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच बर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,252
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,40,928
5.	गुजरात	1,96,024

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 8 राज्य एवं 1 केन्द्र शासित प्रदेश से सीमा बनाता है।
 - उत्तराखण्ड
 - हरियाणा
 - दिल्ली (केन्द्र शासित प्रदेश)
 - हिमाचल प्रदेश
 - राजस्थान
 - मध्य प्रदेश
 - छत्तीसगढ़
 - झारखण्ड
 - बिहार
- भारत के कुल 9 राज्य एवं – केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।

राज्य

- गुजरात
- महाराष्ट्र
- गोवा
- कर्नाटक
- केरल

- तमिलनाडु
- आंध्र प्रदेश
- उड़ीसा
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है।

राज्य

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ़
- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है।
- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है।

- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी श्रीलंका को भारत से अलग करती है । पाक जलडमरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है ।
 - मेकमोहन रेखा भारत और तिब्बत के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
 - डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी । परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
 - भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है । रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रेडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।
1. **सीमावर्ती सागर –**
 - सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12दउ तक स्थित है ।
 - क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।
 2. **संलग्न सागर –**
 - संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24दउ तक स्थित है ।
 - इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।
 3. **अनन्य आर्थिक क्षेत्र –**
 - अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200दउ तक स्थित है ।
 - इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।
 4. **उच्च सागर**
 - यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है ।

सीमावर्ती देश

- **उत्तर-पश्चिम:** अफगानिस्तान और पाकिस्तान
 - भारत-पाकिस्तान सीमा: **रेडक्लिफ रेखा**
 - पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा: **डूरंड रेखा**।
- **उत्तर:** चीन, भूटान और नेपाल
 - भारत-चीन सीमा: **मेकमोहन रेखा**।

- **पूर्व:** म्यांमार, बांग्लादेश (भारत की बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा है)
- **दक्षिण:** पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी के माध्यम से श्री लंका से अलग।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले राज्य

- **बांग्लादेश:** कुल सीमा = 4096 किमी
 - **5 राज्य:** पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम
- **चीन:** कुल सीमा = 3488 किमी
 - **3 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम और लद्दाख
- **पाकिस्तान :** कुल सीमा = 3323 किमी
 - **4 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: जम्मू और कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और लद्दाख
- **नेपाल:** कुल सीमा = 1751 किमी
 - **5 राज्य:** उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
- **म्यांमार:** कुल सीमा = 1643 किमी
 - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड
- **भूटान:** कुल सीमा = 699 किमी
 - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
- **अफगानिस्तान:** कुल सीमा = 106 किमी
 - **1 केंद्र शासित प्रदेश:** लद्दाख

भारतीय मानक मध्याह्न रेखा:

- **भारत की मानक रेखा 82°30'E देशांतर** है जो उत्तर प्रदेश के **मिर्जापुर से होकर गुजरती है** ।
- **इस पर भारत का मानक समय आधारित है जो ग्रीनविच मानक समय रेखा से 5 घंटे 30 मिनट आगे है** ।
- **कर्क रेखा - (23°30'N)** गुजरात , राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल , मिजोरम, और त्रिपुरा से गुजरती है ।

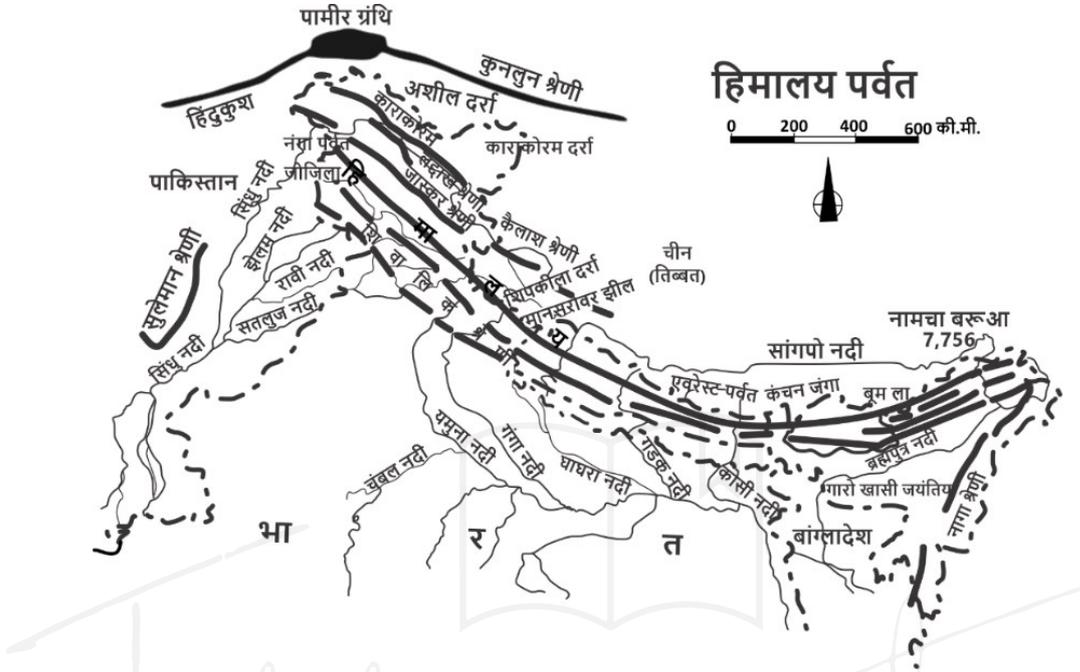
भारत के भौगोलिक प्रदेश

भौतिक विशेषताओं के आधार पर भारत को 6 भौगोलिक भागों में बांटा गया है -

1. उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी पर्वतीय प्रदेश

2. उत्तर का विशाल मैदान
3. तटीय प्रदेश
4. प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश
5. मरुस्थल प्रदेश
6. द्वीप समूह

उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी पर्वतीय प्रदेश



हिमालय पर्वत

- हिमालय विश्व की **सर्वाधिक ऊंची** एवं युवा (नवीन) वलित पर्वत श्रृंखला है।
- भूगर्भीय रूप से, हिमालय युवा, अटढ़ एवं लचीला है क्योंकि इसका **उत्थान एक सतत प्रक्रिया** है।
- यह विशेषता इसे **विश्व के सर्वाधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक** बनाती है
- **लम्बाई** :- हिमालय की लम्बाई पूर्व से पश्चिम दिशा में लगभग 2500 किमी है
- **पश्चिमी छोर** :- नंगा पर्वत (सिंधु नदी के सबसे उत्तरी मोड़ के दक्षिण में स्थित है।)
- **पूर्वी छोर**:- नमचा बरवा (यरलुंग, त्संगपो नदी के मोड़ के पश्चिम में स्थित है)
- **चौड़ाई**: 400 किमी -150 किमी (पश्चिम -पूर्व) ।
- हिमालय की **आकृति** चापाकार अथवा धनुषाकार है । हिमालय का **क्षेत्रफल** लगभग **5,00,000 वर्ग किमी.** है ।
- हिमालय अपने **पूर्वी छोर** एवं **पश्चिमी छोर** पर **दक्षिणवर्ती मोड़** दर्शाता है ।

भौतिक विशेषताएँ

- बहुत **ऊंचे**, **खड़ी ढलान** वाली **दांतेदार चोटियाँ**, **घाटियाँ** और **वृहद् हिमनद**।
- **अपरदन** द्वारा कटी हुई **स्थलाकृति** मिलती है ,विशाल नदी घाटियाँ, जटिल भूगर्भिक संरचना और उत्कृष्ट श्रृंखलाएं पाई जाती हैं।
- हिमालय का **बड़ा भाग हिमरेखा के नीचे** आता हैं।
- **पर्वत निर्माण प्रक्रिया अभी भी सक्रिय** हैं।
- यह अत्यधिक मात्रा में **क्षरण** और **भूस्खलन** होते है।

हिमालय पर्वतीय श्रृंखला का विभाजन

उत्तर - दक्षिण हिमालय

1. ट्रांस - हिमालय

- इसका अधिकांश भाग तिब्बत में होने के कारण इसे **तिब्बत हिमालय** भी कहते हैं।
- ट्रांस हिमालय के अन्तर्गत भारत में **काराकोरम**, **लद्दाख** और **जास्कर** पर्वत श्रेणियाँ **अवस्थित** हैं।
- **स्थिति** :- महान हिमालय के उत्तर में पाया जाता हैं।
- हिमालय से बहुत पहले **जुरासिक और क्रेटेशियस काल** के बीच में इसका **उत्थान** हुआ।
- भौगोलिक रूप से यह **हिमालय का भाग नहीं** हैं।

- पामीर से शुरू होता है।
- गॉडविन ऑस्टेन/काराकोरम (K2) (8,611 m) - विश्व की दूसरी सबसे ऊंची चोटी तथा भारतीय संघ की सबसे ऊंची चोटी काराकोरम श्रृंखला में है।
- लम्बाई - पूर्व - पश्चिम दिशा में 1000 km का विस्तार।
- औसत ऊँचाई - समुद्र तल से 5000m की ऊँचाई पर स्थित।
- औसत चौड़ाई - 40km - 225km
- सियाचिन ग्लेशियर - विहस्व की सबसे ऊंची युद्ध भूमि
- बाल्टारो ग्लेशियर - काराकोरम श्रृंखला में सबसे बड़ा ग्लेशियर।
- काराकोरम दर्रा - 5000m की औसत ऊँचाई पर स्थित; जम्मू कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में हिमालय के काराकोरम श्रेणियों के मध्य स्थित है।
- मुख्य श्रृंखलाएं
 - काराकोरम श्रेणी
 - भारत में ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी हैं।
 - कृष्णागिरी श्रेणी भी कहा जाता है।
 - पामीर से पूर्व में लगभग 800km तक फैला है।
 - औसत ऊँचाई :- 5,500m या इसे अधिक
 - लद्दाख श्रेणी
 - ज़ास्कर श्रेणी के उत्तर में स्थित हैं।
 - उच्चतम बिंदु - राकापोश - विश्व की सबसे तीव्रतम ढलान वाली चोटी
 - लेह के उत्तर में स्थित।
 - तिब्बत में कैलाश श्रेणी में मिल जाती हैं।
 - महत्वपूर्ण दर्रे - खारदुंगला, और दीगर ला
 - ज़ास्कर श्रेणी
 - केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में स्थित।
 - ज़ास्कर को लद्दाख से अलग करती हैं।
 - औसत ऊँचाई - लगभग 6,000m
 - लद्दाख और ज़ास्कर को मानसून से बचाने के लिए एक जलवायु बाधा के रूप में कार्य करता है - गर्मियों में गर्म और शुष्क जलवायु।
 - प्रमुख दर्रे - मार्बल दर्रा, ज़ोजिला दर्रा।
 - प्रमुख नदियाँ - हानले नदी, खुराना नदी, ज़ास्कर नदी, सुरु नदी (सिंधु) और शिंगो नदी।
 - कैलाश श्रेणी
 - लद्दाख श्रृंखला की उपशाखा।
 - सबसे ऊँची चोटी - कैलाश पर्वत (6714m)
 - सिंधु नदी का उद्गम कैलाश श्रेणी के उत्तरी ढलानों से होता है।

2. वृहद हिमालय

- इन श्रेणियों को आंतरिक हिमालय अथवा हिमाद्री भी कहते हैं।
- इसकी औसत चौड़ाई 25Km तथा औसत ऊँचाई 6100m है।
- हिमालय की लगभग सभी ऊँची चोटियों जैसे माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, नंगा पर्वत इसी भाग में स्थित है जिनका निर्माण पूर्ववर्ती नदियों द्वारा किया गया है, अन्यथा हिमालय पर्वतीय प्रणाली में यह सबसे अधिक नियमित (continuous) पर्वत श्रेणी है।
- विस्तार - नामचा बरवा पर्वत से नंगा पर्वत (2400km)- दुनिया में सबसे लम्बी पर्वत श्रेणियों में से एक।
- नंगा पर्वत - उत्तर-पश्चिम
- नामचा बरवा - उत्तर-पूर्व।
- कार्यांतरित और अवसादी चट्टानों से बने।
- अन्तर्भाग- महास्कंध (Batholith) में मेग्मा (प्रेनाइटिक मेग्मा) अतिक्रमण करता है।
- उच्च संपीड़न के कारण विषम सिलवटें हैं और उनके पूर्वी भाग में खंडित चट्टानें हैं।
- विश्व की 28 सबसे ऊँची चोटियों (> 8000m) में से 14 यहाँ स्थित हैं।
- प्रमुख दर्रे- ज़ोजिला दर्रा (श्रीनगर को लेह से जोड़ता है), शिपकी ला, बुर्जिल दर्रा, नाथू ला दर्रा आदि।
- प्रमुख हिमनद :- रोंगबुक हिमनद, (सबसे बड़ी हिमाद्री), गंगोत्री, ज़ेमू आदि।
- लघु हिमालय से दून नामक तलछट से भरी अनुदैर्घ्य घाटियों द्वारा अलग।
 - जैसे :- पाटली दून, चौखम्बा दून, देहरादून

3. मध्य / लघु हिमालय/ हिमाचल हिमालय

- दक्षिण में शिवालिक और उत्तर में वृहद हिमालय के मध्य स्थित।
- अत्यधिक संकुचित और परिवर्तित चट्टानों से बना है।
- औसत ऊँचाई :- 1300-1500 m
- औसत चौड़ाई :- 50 से 80 Km तक
- पीर पंजाल श्रेणी - सबसे लम्बी
 - झेलम - ऊपरी ब्यास नदी से शुरू हो कर 300 km से अधिक तक फैली हुई है।
 - 5000 m तक ऊंची है और इसमें ज्यादातर ज्वालामुखी चट्टानें हैं।
 - दर्रे:- पीरपंजाल दर्रा (3,480m), बनिहाल दर्रा (4,270m), गुलाबगढ़ दर्रा (3,812 m) और बनिहाल दर्रा (2,835 m)।
 - नदी :- किशनगंगा, झेलम और चेनाब।
 - सबसे महत्वपूर्ण श्रेणी - धौलाधर और महाभारत श्रेणी।

- कश्मीर की प्रसिद्ध घाटी , हिमाचल प्रदेश में काँगड़ा और कुल्लू घाटी शामिल हैं।
✓ पहाड़ी क्षेत्रों के लिए जाना जाता है।
- झेलम और चिनाब नदी द्वारा अपरदन ।

• धौलाधर श्रेणी

- हिमाचल प्रदेश के पीरपंजाल में विस्तार - और रावी नदी के द्वारा इस शृंखला को काटा जाता है।

• मसूरी श्रेणी

- सतलुज और गंगा नदी को अलग करती हैं।
- दक्षिण ढलान खड़ी और वनस्पति रहित (मिट्टी के निर्माण को रोकता) और उत्तरी ढलान अधिक मंद और जंगल से ढकी हैं।

4. उप हिमालय / शिवालिक

- इन श्रेणियों को बाह्य हिमालय भी कहते हैं।
- औसत चौड़ाई: हिमाचल प्रदेश में 50Km से अरुणाचल प्रदेश में 15Km तक
- औसत ऊँचाई - 900m से 1500m
- महान मैदान और लघु हिमालय के बीच स्थित हैं।
- लम्बाई - 2 400km -पोठोहार /पोठवार पठार से ब्रह्मपुत्र घाटी तक ।
- दक्षिणी ढलान -खड़ी
- उत्तरी ढलान -मंद
- 80-90 किमी (तिस्ता और रैदक नदी की घाटी) को छोड़कर लगभग अखंड ।
- उत्तर - पूर्वी भारत से लेकर नेपाल तक घने जंगलों से आच्छादित।
- पंजाब और हिमाचल प्रदेश के दक्षिणी ढलान लगभग जंगल विहीन हैं।
- घाटियाँ- अभिनति और पहाड़ियों - अपनति का हिस्सा हैं।
चोस:- पंजाब में शिवालिक पहाड़ियों से जुड़े हुए मैदान ऊपरी भाग में स्थित नदियों का जाल।

विभिन्न नाम

क्षेत्र	शिवालिक के नाम
जम्मू क्षेत्र	जम्मू पहाड़ी
डाफला, मिरि, अबोर और मिशमी पहाड़ी	अरुणाचल प्रदेश
ढांग शृंखला और डुंडवा शृंखला	उत्तराखंड
चुरिया घाट पहाड़ी	नेपाल

A. पश्चिम-पूर्वी हिमालय (नदी के आधार पर)

नदी घाटियों के आधार पर सर सिडनी बर्ार्ड द्वारा विभाजित

(i) कश्मीर/पंजाब/हिमाचल हिमालय

- सिंधु और सतलुज नदी के बीच स्थित।
- लम्बाई :-560 km
- चौड़ाई :-320 km
- ज़ास्कर श्रेणी:- उत्तरी सीमा

- शिवालिक श्रेणी:- दक्षिणी सीमा
- कटक और घाटी स्थलाकृति इसकी विशेषता हैं
- प्रमुख गोखुर झील :- वुलर झील , डल झील
- "वेल ऑफ कश्मीर" ("Vale of Kashmir") भी कहते हैं।
- गर्मियों में 100cm वर्षा होती हैं और सर्दियों में बर्फबारी होती हैं ।
- कश्मीर का एक मात्र प्रवेश द्वार - बनिहाल दर्रा - जवाहर सुरंग (भारत की दूसरी सबसे बड़ी सुरंग)
- प्रमुख दर्रा :- बुर्जिल दर्रा, ज़ोजिला दर्रा |

(ii) कुमाऊं हिमालय

- सतलुज और काली महाखड्ड (गोर्ज) के बीच में स्थित।
- लम्बाई -320km
- प्रमुख पर्वत शृंखला :- नागटिब्बा, धौलाधर, मसूरी, वृहद हिमालय के अन्य भाग।
- प्रमुख चोटी-नंदादेवी कामठ, बद्रीनाथ, केदारनाथ,
- प्रमुख नदिया - गंगा, यमुना, पिंडारी,
- विशेषता -
 - सर्दियों में बर्फ गिरना।
 - शंकुधारी वन -3200m के ऊपर ,देवदार वन - 1600 -3200m के बीच में पाए जाते हैं।
 - विवर्तनिक घाटियाँ -कुल्लू, मनाली , और काँगड़ा .
 - भूकंप और भूस्खलन की अधिक संभावना

(iii) नेपाल / मध्य हिमालय

- लम्बाई - 800km
- पश्चिम में काली और पूर्व में तीस्ता नदी के बीच स्थित हैं।
- महान/वृहद हिमालय की इस भाग में ऊंचाई सर्वाधिक होती हैं।
- प्रमुख चोटिया - माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू, अन्नपूर्णा, गोसाईनाथ और धौलागिरी ।
- प्रमुख नदी - घाघरा , गंडक , कोसी
- प्रमुख घाटी - काठमांडू और पोखर झील घाटी ।

“

हिमालय पर्वत की चोटियाँ पश्चिम से पूर्व की ओर हैं।

- Mnemonic:-"k2 NDA EVM KAN(can)" K-k2 K-kamet N-Nandadevi D-Dhaulagiri A-Annapurna EV-Everest M-Makalu KA-Kanchanjanga N-Namcha barva (कामेट, नंदादेवी, धौलागिरी, अन्नपूर्णा, एवरेस्ट, मकालू, कंचनजंगा, नामचा बरवा)

”

(iv) असम/पूर्वी हिमालय

- लम्बाई -750km
- पश्चिम में तीस्ता और पूर्व में ब्रह्मपुत्र (दिहांग गोर्ज) के बीच स्थित हैं।
- मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश और भूटान में स्थित हैं।

- **संकीर्ण अनुदैर्घ घाटियाँ** पायी जाती हैं।
- **वर्षा** > 200cms
- **महत्वपूर्ण चोटियाँ** - नामचा बरवा (7756m), कूला कांगरी (7554 m), जोमोल्हारी (7327 m) ।
- **प्रमुख पर्वत** - अक पर्वत, डफला पर्वत, मिरि पर्वत, अबोर पर्वत, मिशमी पर्वत और नामचा बरवा, पटकाई बूम, मणिपुर पर्वत ब्लू माउंटेन, त्रिपुरा और ब्रेल श्रेणी।
- **प्रमुख दर्रा**
 - बोमडिला, योंग्याप दर्रा, दिफू, पांगसाओ, सेला, दिहांग, देबांग, तुंगा और बोम ला

(v) **अरुणाचल हिमालय**

- **पूर्वी हिमालय की पूर्वी सीमा** बनाता है।
- **नामचा बरवा** - अरुणाचल प्रदेश के पूर्व में।
- हिमालय पर्वतमाला **पश्चिम कामेंग जिले में भूटान से अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश** करती है।
- **विशेषताएं:**
 - ऊँचे कटक और गहरी घाटियाँ
 - **ऊंचाई** - समुद्र तल से 800 मीटर से 7,000 मीटर।
 - भूटान हिमालय के **पूर्व से विस्तारित** - पूर्व में दीफू दर्रा।

- **ब्रह्मपुत्र** जैसी तेज बहने वाली नदियों द्वारा **विच्छेदित** जो नामचा बरवा को पार करने के बाद एक गहरी घाटी से बहती है।
 - **बारहमासी** - देश में उच्चतम पनबिजली क्षमता।
- **प्रमुख जनजातियाँ**- मोनपा, अबोर, मिशमी, न्याशी और नागा- झूमिंग कृषि करते हैं।

(vi) **पूर्वांचल हिमालय**

- भूगर्भीय रूप से **हिमालय का हिस्सा** माना जाता है
- इसमें **संरचनात्मक अंतर** हैं, इसलिए मुख्य हिमालय पर्वतमाला से अलग हैं।
- **ब्रह्मपुत्र** घाटी के **दक्षिण** में स्थित है।
- **अराकान योमा** पर्वत **निर्माण प्रक्रिया से संबंधित** हैं।
- **ठीली, खंडित तलछटी चट्टानें** जैसे शेल, मडस्टोन, बलुआ पत्थर, क्वार्ट्जाइट पायी जाती हैं।
- हिमालय का **सर्वाधिक खंडित भाग**।
- **नागा भ्रंश रेखा** - भूकंप और भूस्खलन वाला क्षेत्र।
- **वर्षा** - 150-200 सेमी
- **घने जंगल** पाए जाते हैं।
- **ऊंचाई** उत्तर से **दक्षिण की ओर घटती** जाती है।
- निचली पहाड़ियाँ में **झूम खेती** प्रचलित है।

• **प्रमुख पहाड़ियाँ:**

डफला पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : तेजपुर का उत्तरी भाग और उत्तर लखीमपुर • पश्चिम में आका पहाड़ी और पूर्व में अबोर श्रेणी से घिरा है।
अबोर पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : भारत के पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश का क्षेत्र, चीन सीमा के पास • मिशमी पहाड़ी और मिरि पहाड़ी से घिरा। • ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी दिबांग नदी द्वारा अपवाहित।
मिशमी पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति: वृहत हिमालय पर्वतमाला का दक्षिणी विस्तार। • उत्तरी और पूर्वी हिस्से चीन से सीमा बनाते हैं।
पटकाई बूम पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : भारत की पूर्वोत्तर सीमा (अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के बीच) में पाया जाता है। • ताई-अहोम भाषा में - "पटकाई" का अर्थ - "चिकन काटने के लिए" • उन्हीं विवर्तनिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुआ जिसके परिणामस्वरूप मेसोजोइक में हिमालय का निर्माण हुआ। • शंकाकार चोटियाँ, खड़ी ढलान और गहरी घाटियाँ हैं • हिमालय की तरह उबड़-खाबड़ नहीं हैं। • पूरा क्षेत्र बलुआ पत्थरों से और जंगलों से घिरा हुआ है।
नागा पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : म्यांमार में विस्तार; भारत और म्यांमार के बीच विभाजन बनाता है। • सबसे ऊँची चोटी - सारामाती। • भारी मानसूनी वर्षा और घने जंगल
मणिपुर पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति : नागालैंड के उत्तर में, मिजोरम के दक्षिण में, पूर्व में ऊपरी म्यांमार और पश्चिम में असम। • मणिपुर और म्यांमार के बीच में सीमा बनाती हैं। • लोकटक झील - विश्व का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है। • यहां केबुल-लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान स्थित है।
मिज़ो पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> • स्थिति - दक्षिण-पूर्वी मिजोरम राज्य। • पूर्व में लुशाई पर्वत के नाम से जाना जाता था • सबसे ऊँचा भाग- नीला पर्वत। • उत्तरी अराकान योमा प्रणाली का हिस्सा।

	<ul style="list-style-type: none"> मोलासेस बेसिन के नाम से भी जाना जाता है - नरम गैर-समेकित निक्षेपो से बना है। झूम कृषि और कुछ जगह वेदिका कृषि की जाती हैं।
त्रिपुरा पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> यह उत्तर-दक्षिण समानांतर वलयित पहाड़ियों की श्रृंखला है, जिनकी ऊंचाई दक्षिण की ओर घटती जाती है। गंगा-ब्रह्मपुत्र तराई (उर्फ पूर्वी मैदान) में विलय हो जाती हैं।
मिकिर पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम के दक्षिण में। कार्बी-मेघालय पठार का हिस्सा। मिकिर पहाड़ी- असम की सबसे पुरानी भू-आकृति। अरीय अपवाह प्रणाली प्रमुख नदियाँ- धनसिरी और जमुना सबसे ऊँची चोटी - दाम्बुचको/ डंबुचको
गारो पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति : मेघालय राज्य। सबसे ऊँची चोटी: नोकरेक चोटी।
खासी पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> मेघालय में गारो-खासी श्रेणी का हिस्सा। चेरापूँजी - पूर्वी खासी पहाड़ी सबसे ऊँची चोटी: लुम शिलॉन्ग
जयंतिया पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति : खासी पहाड़ियों से पूर्व की ओर
बरेल पहाड़ी	<ul style="list-style-type: none"> स्थिति : उत्तरी कछार पहाड़ी । पटकाई श्रेणी का दक्षिण-पश्चिमी विस्तार दक्षिणी नागालैंड और उत्तरी मणिपुर के कुछ हिस्सों से मेघालय के जयंतिया हिल तक दक्षिण-पश्चिम दिशा में चलती है।
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पूर्वी हिमालय का विस्तार है।	

भारत के प्रमुख हिमनद:

हिमनद	स्थान	लंबाई
सियाचिन	काराकोरम	75 किमी
सासायनी	काराकोरम	68 किमी
हिस्पर	काराकोरम	61 किमी
बियाफो/ बिआफ्रो	काराकोरम	60 किमी
बाल्तोरो	काराकोरम	58 किमी
चोगो लुंग्मा	काराकोरम	50 किमी
खुर्दाप्लो	काराकोरम	47 किमी
रीमो	कश्मीर	40 किमी
पुनमाह	कश्मीर	27 किमी
गंगोत्री	उत्तराखंड	26 किमी
जेमू/ ज़ीमू	सिक्किम/नेपाल	25 किमी
रूपाल	कश्मीर	16 किमी
दमीर	कश्मीर	11 किमी

हिमालय के महत्वपूर्ण दर्रे

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दर्रे:

बनिहाल दर्रा (जवाहर सुरंग)	<ul style="list-style-type: none"> जम्मू और कश्मीर में एक लोकप्रिय दर्रा। पीर-पंजाल श्रेणी में स्थित है। बनिहाल को काजीगुंड से जोड़ता है।
जोजीला	<ul style="list-style-type: none"> श्रीनगर को कारगिल और लेह से जोड़ता है। सीमा सड़क संगठन- विशेष रूप से सर्दियों के दौरान सड़क को साफ और रखरखाव करता है।

बुर्जिल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> श्रीनगर- किशन गंगा घाटी
पेन्सी ला	<ul style="list-style-type: none"> कश्मीर की घाटी को लद्दाख के देवसाई मैदानों से जोड़ता है। कश्मीर घाटी को कारगिल से जोड़ता है। वृहद हिमालय में स्थित है।
पीर-पंजाल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> जम्मू से श्रीनगर का पारंपरिक दर्रा। बंटवारे के बाद बंद कर दिया गया है। जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए सबसे छोटा सड़क मार्ग
काराताघ दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> काराकोरम पर्वत में स्थित है। प्राचीन रेशम मार्ग का सहायक मार्ग।
खारदुंग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> देश में सबसे ऊंचा मोटर वाहन चलने लायक दर्रा (5602 मीटर)। लेह और सियाचिन ग्लेशियरों को जोड़ता है। सर्दियों के दौरान बंद रहता है।
थांग ला	<ul style="list-style-type: none"> लद्दाख को तिब्बत से जोड़ता है। भारत में दूसरा सबसे ऊंचा मोटर वाहन चलने योग्य पर्वत दर्रा।
अधिल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> काराकोरम में माउंट गॉडविन-ऑस्टेन के उत्तर में स्थित। लद्दाख को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ता है।
चांग-ला	<ul style="list-style-type: none"> लद्दाख को तिब्बत से जोड़ता है।
लानक ला	<ul style="list-style-type: none"> लद्दाख क्षेत्र में अक्साई चिन।

	<ul style="list-style-type: none"> ● लद्दाख और ल्हासा को जोड़ता है। ● चीनी अधिकारियों ने शिनजियांग को तिब्बत से जोड़ने के लिए एक सड़क का निर्माण किया है।
खुंजराब दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● कश्मीर और चीन ● भारत-चीन सीमा पर स्थित।
इमिस ला	<ul style="list-style-type: none"> ● लद्दाख ● कठिन भौगोलिक भूभाग और खड़ी ढलान। ● सर्दियों के मौसम में बंद रहता है।
परपीक ला	<ul style="list-style-type: none"> ● कश्मीर और चीन ● मितका के पूर्व में भारत-चीन सीमा पर गुजरता है।
मितका दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● कश्मीर और चीन ● भारत-चीन और अफगानिस्तान सीमा का त्रि-संयोजन

“ MP Khake is Pir for The Queen of Kashmir.
 MP: Mintaka Pass and Parpi Pass (मितका दर्रा और परपीक दर्रा)
 • Khunjer: Khunjerab Pass (खुंजराब दर्रा)
 • Ke: Khardung La (खारदुंग ला)
 • Pir: Pir-Panjal Pass (पीर-पंजाल दर्रा)
 • The: Thang La (थंग ला)
 • Queen: Qara Tag La (कारा टैग ला) ”

हिमाचल प्रदेश के दर्रे

शिपकला दर्रा / शिपकी ला	<ul style="list-style-type: none"> ● सतलुज महाखड्ड से होकर गुजरता है। ● हिमाचल प्रदेश को तिब्बत से जोड़ता है। ● चीन के साथ व्यापार के लिए भारत की तीसरी सीमा चौकी (लिपु लेख और नाथुला दर्रा)
बारा लाचा दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● हिमाचल प्रदेश-लेह-लद्दाख ● जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। ● मनाली और लेह को जोड़ता है।
देब्सा दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● स्पीति और पार्वती घाटी को जोड़ता है। ● हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और स्पीति के बीच में स्थित। ● पिन-पार्वती दर्रे का उपमार्ग
रोहतांग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● उच्च सड़क परिवहन ● कुल्लू, स्पीति और लाहौल को जोड़ता है।

“ Himachal me Rohit Shilpi ko Barana De. ”

- Rohit: Rohtang Pass (रोहतांग दर्रा)
- Shilpi: Shipki La (शिपकी ला)
- Barana: Bara Lacha Pass (बारा लाचा दर्रा)
- De: Debsa Pass (देबसा दर्रा)

उत्तराखंड के दर्रे

लिपुलेख	<ul style="list-style-type: none"> ● उत्तराखंड को तिब्बत से जोड़ता है। ● चीन के साथ व्यापार के लिए महत्वपूर्ण सीमा चौकी। ● कैलाश-मानसरोवर के तीर्थयात्री इसी दर्रे से यात्रा करते हैं।
माना दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● वृहद हिमालय में स्थित है। ● तिब्बत को उत्तराखंड से जोड़ता है। ● सर्दियों के दौरान छह महीने तक बर्फ के निचे ढका रहता है।
मंगशा धुरा दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● उत्तराखंड-तिब्बत को जोड़ता है। ● भूस्खलन के लिए जाना जाता है। ● मानसरोवर के तीर्थयात्री इस मार्ग को पार करते हैं।
मुलिंग ला	<ul style="list-style-type: none"> ● मौसमी दर्रा ● उत्तराखंड को तिब्बत से जोड़ता है ● सर्दियों के मौसम में बर्फ से ढका रहता है।
नीतिदर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● उत्तराखंड-तिब्बत को जोड़ता है। ● सर्दियों के मौसम में बर्फ से ढका रहता है।
ट्रेल दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● पिंडारी ग्लेशियर के अंत में स्थित है। ● पिंडारी घाटी को मिलम घाटी से जोड़ता है। ● खड़ी और ऊबड़-खाबड़ ढाल।

“ Niti Uttar de aur Le Man Mangi Murad ”

- Niti: Niti Pass (नीति पास)
- Uttar: Uttrakhand (उत्तराखंड)
- Le: Lipu Lekh (लिपु लेख)
- Man: Mana Pass (मन पास)
- Mangi: Mangsha Dhura (मंगशा धुरा)
- Murad: Muling La (मुलिंग ला)

सिक्किम के दर्रे

नाथू ला दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● भारत-चीन सीमा पर स्थित है। ● प्राचीन रेशम मार्ग की एक शाखा का हिस्सा है। ● भारत और चीन के बीच व्यापारिक सीमा चौकियों में से एक।
जेलेप ला दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> ● चुम्बी घाटी से होकर गुजरती है ● सिक्किम को तिब्बत की राजधानी ल्हासा से जोड़ता है।

“ **Sikkim ki Jail me Nathuram**
 • Jail: Jelep La (जेलेप ला)
 • Nathuram: Nathu La (नाथू ला) ”

अरुणाचल प्रदेश के दर्रे

बोमडिला	<ul style="list-style-type: none"> अरुणाचल प्रदेश-तिब्बत की राजधानी ल्हासा को जोड़ता है। भूटान के पूर्व में स्थित है।
दिहांग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> अरुणाचल प्रदेश के पूर्वोत्तर में स्थित है। अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार (मांडले) से जोड़ता है।
दीफू दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> म्यांमार के लिए एक आसान और वैकल्पिक मार्ग। परिवहन और व्यापार के लिए साल भर खुला रहता है।
लेखपानी	<ul style="list-style-type: none"> परिवहन और व्यापार के लिए साल भर खुला रहता है। अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार से जोड़ता है।
पंगसौ दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार से जोड़ता है।
यांग्याप दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> तिब्बत और अरुणाचल प्रदेश को जोड़ता है।
कुमजाँग दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार को जोड़ता है।
हपुंगन दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार को जोड़ता है।
चाणकण दर्रा	<ul style="list-style-type: none"> अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार को जोड़ता है।

“ **Arun ne Dipawali ke Din Kum Bomb ChalaYe**
 • Arun: Arunachal Pradesh (अरुणाचल प्रदेश)
 • Dipawali: Dipher Pass (डिफ़र दर्रा)
 • Din: Dihang Pass (दिहांग दर्रा)
 • Kum: Kumjawng Pass (कुमजाँग दर्रा)
 • Bomb: Bom Di La (बॉम डि ला)
 • Chala: Chankan Pass (चानकन दर्रा)
 • Ye: Yangayap Pass (यांग्याप दर्रा) ”

1. उत्तर का विशाल मैदान

- सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों के जलोढ़ निक्षेपों द्वारा निर्मित क्रमिक मैदान।
 - पश्चिम से पूर्व की ओर लगभग 2400 किमी तक फैला है।
- चौड़ाई- असम में 90-100 किमी, राजमहल (झारखंड) के पास 160 किमी, बिहार में 200 किमी, इलाहाबाद के पास 280 किमी और पंजाब में 500 किमी।
 - पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ता है।

- हिमालय और प्रायद्वीपीय क्षेत्र की नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेप मुख्य रूप से शामिल हैं।
- अधिकतम गहराई > 8000 मीटर - अंबाला, यमुनानगर और जगाधरी (हरियाणा)।
- दक्षिण-पश्चिम में थार मरुस्थल तक विस्तार।
- दिल्ली कटक (278 मीटर) का एक निचला जलविभाजन + यमुना नदी सतलुज के मैदानों (सिंधु मैदान का एक हिस्सा) को गंगा के मैदानों से अलग करते हैं।

विशाल मैदानों के विभाजन

भारत के उत्तरी मैदानों को उत्तर से दक्षिण की ओर निम्नलिखित भागों में विभाजित किया जा सकता है:

(i) भाबर

- सिंधु से तिस्ता तक उल्लेखनीय निरंतरता के साथ शिवालिक के दक्षिण में।
- बजरी और मिश्रित तलछट से युक्त 8-16 किमी चौड़ी पट्टी का निर्माण करता है।
- ढलान के अचानक खत्म होने के कारण हिमालयी नदियों द्वारा यह अवसाद अग्रभूमि क्षेत्र में जमा कर दिया गया।
- हिमालय की नदियाँ अवसाद को जलोढ़ पंख के रूप में तलहटी में जमा करती हैं।
- सबसे अनूठी विशेषता - छिद्रिलता (porosity)।
 - जलोढ़ पंख में भारी संख्या में कंकड़ और चट्टान के मलबे के जमाव के कारण बंजर या झरझर मैदान का निर्माण होता है।
 - कृषि के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

(ii) तराई

- भाबर के दक्षिण में 10-20 किमी चौड़ा दलदली क्षेत्र - समानांतर फैला हुआ है।
- विशाल मैदानों के पूर्वी भागों में ब्रह्मपुत्र घाटी में भारी वर्षा के कारण व्यापक।
- भाबर क्षेत्र की भूमिगत धाराओं का पुनः उदय होता है।
- अधिकांश तराई भूमि (विशेष रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में) को पुनः प्राप्त कर लिया गया है और समय के साथ कृषि भूमि में बदल दिया गया है।
- उच्च वर्षा होती है और इसमें अत्यधिक आर्द्रता होती है।
- भूमिगत धाराएँ हैं → भूमि दलदली होती हैं।
- गेहूँ, मक्का, चावल, चवल, गन्ना, आदि के लिए उपयुक्त।

(iii) खादर

- कई नदियों के बाढ़ के जलोढ़ मैदानों की नवीन जलोढ़क।
- (पंजाब में) बेट भूमि भी कहा जाता है।
- नदी के किनारे नए जलोढ़ निक्षेप पाए जाते हैं।

- **जलोढ़** - हल्के रंग का और निम्न कैल्शियमयुक्त पदार्थ जिसमें रेत, गाद, चीका और मिट्टी के निक्षेप पाए जाते हैं।
 - प्रत्येक वर्ष **नदी बाढ़ द्वारा जमा** किया जाता है।
 - गंगा के मैदान में **सबसे उपजाऊ मिट्टी** पायी जाती है।
 - इस भाग में **नदियाँ गुम्फित** होती हैं।
- **व्यापक खेती** के लिए उपयुक्त।
- पंजाब-हरियाणा के मैदानी इलाकों में नदियों में खादर के व्यापक जलोढ़ मैदान हैं, जिन्हें **ध्यास** के नाम से जाना जाता है।

(iv) बांगर या भांगर मैदान

- पुरानी जलोढ़ के निक्षेपण द्वारा निर्मित **जलोढ़ उच्च भूमि** (अपलैंड) हैं।
- मैदानी इलाकों की **बाढ़-सीमा से ऊपर** स्थित है।
- **मुख्य घटक**: चिकनी मिट्टी।
- **ह्यूमस में समृद्ध** - उच्च उपज।
- **कैल्शियम कार्बोनेट नोड्यूल** होते हैं जिन्हें '**कंकर**' के रूप में जाना जाता है - अशुद्ध और दोआब में पाया जाता है।
- **क्षेत्रीय विविधताएं**:
 - **बरिद का मैदान**- बंगाल का डेल्टा क्षेत्र
 - **भूड/भूर संरचनाएं** - मध्य गंगा और यमुना दोआब।
 - '**रेह**', '**कोल्लर**' या '**भूर**' - सुखा क्षेत्र- खारे और क्षारीय प्रवाह के छोटे पथ होते हैं।
 - सिंचाई के विस्तार (केशिका क्रिया - सतह पर लवण का आना) के कारण फैल गया है।

विशाल मैदानों का क्षेत्रीय वर्गीकरण:

(i) सिंध का मैदान

- पाकिस्तान में स्थित हैं।
- मुख्य रूप से **भांगर के मैदानों से निर्मित** है।
- दोर: लंबी संकरी गड्डों - पूर्व नदियों के मार्ग के अवशेष।
- **ढांड**: कुछ दोरों पर क्षारीय झीलें।

(a) राजस्थान के मैदान

- **थार रेगिस्तान** का क्षेत्र।
- एक **तरंगित मैदान** (औसत ऊंचाई - समुद्र तल से 325 मीटर ऊपर)।
- **मरुस्थली** के नाम से जाना जाने वाला मरुस्थलीय क्षेत्र; **मारवाड़ के मैदान का एक बड़ा हिस्सा** बनाता है।
- **नाईस, शिस्ट और ग्रेनाइट** के कुछ अंश पाए जाते हैं।

- प्रमाणित करता है कि यह भूगर्भीय रूप से **प्रायद्वीपीय पठार का हिस्सा है**।
- **पूर्वी भाग चट्टानी** है जबकि पश्चिमी भाग में स्थानांतरित होने वाले रेत के टीले पाए जाते हैं।
- अरावली शृंखला तक थार मरुस्थल का पूर्वी भाग - **राजस्थान बांगर- अर्ध-शुष्क** मैदान।
- अरावली से निकलने वाली **कई छोटी मौसमी धाराओं** द्वारा **शुष्क और उपजाऊ इलाकों** के कुछ हिस्सों में कृषि का कार्य होता है।
- **लूनी** - एक महत्वपूर्ण मौसमी धारा जो कच्छ के रण में बहती है।
- लूनी के उत्तर भूभाग में - **थली** या रेतीला मैदान स्थित हैं।

(b) पंजाब का मैदान

- उत्तरी मैदान का पश्चिमी भाग बनाते हैं।
- मुख्य रूप से पाकिस्तान में।
- कई दोआबों में विभाजित (do- "दो" + ab- "पानी या नदी" = "एक क्षेत्र या भूमि के बीच और दो नदियों के संगम तक")।
- सिंधु प्रणाली की 5 महत्वपूर्ण नदियों द्वारा निर्मित।
- इसका शाब्दिक अर्थ है "(पांच जल की भूमि" जिसका अर्थ है: झेलम, चिनाब, रावी, सतलुज और व्यास।
- कुल क्षेत्रफल - 1.75 लाख वर्ग किमी।
- औसत ऊंचाई - समुद्र तल से 250 मीटर ऊपर।
- पूर्वी सीमा - दिल्ली-अरावली कटक / रिज।
- उत्तरी भाग [शिवालिक पहाड़ियाँ] का चोस (chos) नामक कई धाराओं द्वारा गहन रूप से कटाव हुआ है।
- सतलुज नदी के दक्षिण में - पंजाब का मालवा मैदान।
- घग्गर और यमुना नदियों के बीच का क्षेत्र - 'हरियाणा ट्रैक्ट'।
 - यमुना और सतलुज नदियों के बीच जल-विभाजन के रूप में कार्य करता है।

सिंध सागर दोआब	सिंधु और झेलम नदियों के मध्य
जेच/चाज दोआब	झेलम और चिनाब नदियों के मध्य
रचना दोआब	चिनाब और रावी नदियों के मध्य
बारी दोआब	रावी और व्यास नदियों के मध्य
बिस्ट दोआब	व्यास और सतलुज नदियों के मध्य

(ii) गंगा का मैदान

- पश्चिम में यमुना नदी से बांग्लादेश की पश्चिमी सीमाओं (~ 1,400 किमी) तक फैला हुआ है।
- औसत चौड़ाई - 300 किमी।
- अधिकतम ऊंचाई - सहारनपुर (276 मी) - सागर द्वीप समूह (3 मी) की ओर घटती है।

Computer One Liner

1. 'कम्प्यूटर' शब्द की उत्पत्ति 'Comput' शब्द से हुई जिसका अर्थ होता है 'गणना करना' ।
2. अबेकस - प्राचीन समय में गिनती सिखाने वाले यंत्र को अबेकस कहते हैं।
3. जॉन नेपियर ने लघुगणक विधि (Algorithm) का विकास किया ।
4. पास्कल कैल्कुलेटर पहला मशीन Calculator था जिसका आविष्कार पास्कल ब्लैज (france) के गणितज्ञ ने किया ।
5. एनियाक (ENIAC - Electronic Numerical Integrator and computer) इसे पहला डिजिटल Computer भी कहा जाता है ।
6. चार्ल्स बैबेज को आधुनिक Computer का निर्माता या जनक कहते हैं ।
7. प्रथम पीढ़ी के Computer में निर्वात नलिकाएँ या निर्वात वाल्व (Vacuum Tubes or Vacuum Valves) उपयोग में लाए जाते थे ।
8. वर्ष 1947 में बैल लेबोरेटरी (USA) के विलियम शॉकली ने 'ट्रांजिस्टर' (PNP या NPN अर्द्धचालक युक्ति) का विकास किया ।
9. द्वितीय पीढ़ी में Vacuum tubes की जागह ट्रांजिस्टरों के उपयोग से Computer आकार में छोटे तथा सस्ते हो गए ।
10. तृतीय पीढ़ी में इलेक्ट्रॉनिक तकनीकी के क्षेत्र में विकास के साथ एक छोटी सी सिलिकॉन चिप बनाना संभव हो गया।
11. तृतीय पीढ़ी के कम्प्यूटरों के साथ ही डाटा को भंडारित करने के बाहरी डिवाइसेज जैसे - डिस्क, टेप आदि का विकास हुआ ।
12. चतुर्थ पीढ़ी के आविष्कार से पूरी सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट एक छोटी सी चिप आ गयी जिसे माइक्रोप्रोसेसर कहा जाता है।
13. पंचम पीढ़ी में अल्ट्रा लार्ज स्केल IC (ULSIC) का प्रयोग प्रारंभ हुआ जिसमें एक छोटी चिप पर लाखों ट्रांजिस्टर के बराबर सर्किट बनाए गए ।
14. डिस्क्रीट/अंकीय कम्प्यूटर में सूचनाओं व आँकड़ों को डिस्क्रीट .प में निश्चित अंकों 0 या 1 के .प में नि.पित किया जाता है ।
15. एनालॉग या अनु.प कम्प्यूटर वे Computer जिनमें विभिन्न भौतिक राशियों यथा दाब, तापमान, लम्बाई आदि सतत .प से परिवर्तित होती रहती हैं।
16. सुपर Computer की कार्य करने की क्षमता 500 मेगाफ्लाप से भी अधिक होती है।
17. विश्व का पहला सुपर कम्प्यूटर क्रे रिसर्च कम्पनी ने वर्ष 1976 में 'CRAY-1' बनाया था ।
18. इसका कार्य दिए गए डाटा को प्रोसेस करके उससे आउटपुट .प में सूचनाएँ निकालना होता है इसे CPU (Central Processing Unit) भी कहते हैं।
19. Input Unit → Processing Unit → Output Unit
(डेटा + निर्देश) Memory Unit (सूचना)
20. Memory को दो भागों में बाँटा जा सकता है।
a. प्राथमिक या मुख्य मेमोरी
b. द्वितीयक या सहायक मेमोरी
21. CPU को Computer का मस्तिष्क या हृदय (Brain or Heart) भी कहा जाता है ।
22. A.L.U (Arithmetic and Logic Unit) इस इकाई द्वारा एक Computer में होने वाली सभी अंकगणितीय तथा तार्किक गणनाएँ की जाती हैं।
23. AND, OR, NOT इत्यादि को कुलियन Operator कहा जाता है जिनका प्रयोग Logical गणना करने के लिए किया जाता है ।
24. Control Unit, A.L.U. को गणना करने हेतु कई प्रकार के निर्देश प्रदान करती है ।
25. Computer में Process किए जाने वाले शब्द को Binary अंक के .प में 0 या 1 होता है, नि.पित किया जाता है।
26. Computer में Memory की सबसे छोटी इकाई Bit (बिट) होती है ।
• 1 निबल = 4Bit
• 1 बाइट = 8 Bit
• Ascending Order (बढ़ते क्रम में)
Bit < Byte < KB < MB < GB < TB < EB < ZB < YB

27. Input device data को Encode करने का भी कार्य करती है जिसकी सहायता से Data को Computer में Process किया जा सकता है।
28. की - बोर्ड एक Encoder की तरह काम करने वाली डिवाइस है जो Input किए गये Data को 0 या 1 बाइनरी अंक बदलने का कार्य करता है।
29. Function Keys [F_1 से F_{12}] कुल = 12
30. टॉगल की (Toggle Key) => की बोर्ड में (On) तथा (Off) विशेषता रखने वाले कुंजी को (Toggle Key) कहा जाता है।
31. Num. Lock-Numeric pad पर उपस्थित Arrow Key को प्रयोग में लेने के लिए इस कुंजी का प्रयोग किया जाता है।
32. Caps Lock - इस कुंजी का प्रयोग बड़े अक्षर को Input करने के लिए किया जाता है।
33. Scroll Lock-इस कुंजी की सहायता से Document शीट को आगे और पीछे जाने वाले विशेषतः को रोका जाता है।
34. माउस में मुख्यतः दो या तीन बटन होते हैं जिसे दबाकर किसी कार्य को किया जाता है और इस क्रिया को क्लिक (Click) कहा जाता है।
35. टच पैड - यह एक Pointing Device है, जिसका उपयोग माउस के स्थान पर लैपटॉप में किया जाता है।
36. जॉयस्टिक - इस डिवाइस का प्रयोग पेंटर को अधिक तेज गति से चलाने के लिए किया जाता है।
- इसका मुख्यतः उपयोग कंप्यूटर गेम खेलने के लिए किया जाता है।
37. लाइट पेन - इस डिवाइस का प्रयोग डिजाइनिंग कार्यों के लिए किया जाता है। इसका उपयोग विशेषकर CAD (Computer-Aided Design) में किया जाता है।
38. ट्रैक बॉल - इस डिवाइस का उपयोग मुख्यतः उन स्थानों पर किया जाता है जहाँ कर्सर को चलाने के लिए अधिक जगह उपलब्ध नहीं होती है।
39. स्कैनर (Scanner) - इस डिवाइस का उपयोग एक हार्ड कॉपी को सॉफ्ट कॉपी में बदलने के लिए किया जाता है।
40. बायोमेट्रिक सेंसर - इस डिवाइस का प्रयोग कंप्यूटर में मानव के विभिन्न जैविक अंगों के निशान को इनपुट करने के लिए किया जाता है।
41. BCR (बारकोड रीडर) - इस डिवाइस का उपयोग किसी वस्तु पर अंकित बार कोड में संग्रहित सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है।

42. MICR (मैग्नेटिक इंक कैरेक्टर रीडर) - इस डिवाइस का प्रयोग बैंक में किया जाता है, इसकी सहायता से एक चेक पर चुंबकीय स्याही से मुद्रित संख्याओं को प्रोसेस किया जा सकता है।
43. OCR (ऑप्टिकल कैरेक्टर रीडर) - इस डिवाइस का प्रयोग एक पृष्ठ पर प्रिंटेड या हस्तलिखित अक्षरों को पढ़कर मशीन के समझने योग्य बनाने के लिए किया जाता है।
44. स्मार्ट कार्ड रीडर - इस डिवाइस का उपयोग स्मार्ट कार्ड (क्रेडिट/डेबिट) में माइक्रोचिप या मैग्नेटिक चिप में संग्रहित सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है।
45. Processor द्वारा प्रदान किए गए Output को उपयोगकर्ता के समझने योग्य बनाने की प्रक्रिया को **डिकोड** कहा जाता है।
46. VDU (Visual Display Unit) - यह एक कंप्यूटर में सबसे प्रचलित Output Device है, जिसका प्रयोग कंप्यूटर द्वारा प्रदान किए गए डेटा को सॉफ्ट कॉपी के रूप में दर्शाने के लिए किया जाता है।
47. प्लॉटर (Plotter) - यह एक Printer की तरह कार्य करने वाला Output Device है।

Printer	
Impact	Non Impact
• Daisy Wheel Printer	• Ink Jet Printer
• DMP (Dot Matrix Printer)	• Laser Printer
	• Thermal Printer

48. कंप्यूटर में प्रयोग की जाने वाली संख्या-पद्धति में निम्न चार संख्या पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है:
- **द्विआधारी संख्या पद्धति (Binary Number System)** में केवल दो अंकों, 0 और 1, का ही उपयोग किया जाता है।
 - **ऑक्टल (Octal) संख्या पद्धति** में 0 से लेकर 7 तक कुल 8 अंकों का उपयोग होता है।
 - **दशमलव (Decimal) संख्या पद्धति** में 0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, और 9 तक कुल 10 अंकों का उपयोग होता है।
 - **हैक्साडेसिमल संख्या पद्धति (Hexadecimal Number System)** में बाइनरी अंकों को चार-बाइनरी समूहों में बदला जाता है।
49. ASCII (American Standard Code for Information Interchange) प्रकार की कोडिंग में दशमलव संख्या को उसके बाइनरी रूप में परिभाषित किया जाता है।

50. **BCD (Binary Coded Decimal)** प्रकार की कोडिंग में दशमलव संख्या के प्रत्येक अंक को 4 बाइनरी बिट में दर्शाया जाता है।

51. **EBCDIC (Extended Binary Coded Decimal Interchange Code)** प्रकार की कोडिंग में दशमलव संख्या के प्रत्येक अंक को 8 बाइनरी बिट में दर्शाया जाता है।

52. **UNICODE (Universal Code)** प्रकार की कोडिंग का उपयोग विश्व की विभिन्न भाषाओं में प्रयुक्त होने वाले प्रतीकों को समान प्रकार की कोडिंग प्रदान करने के लिए किया जाता है।

53. **संख्या परिवर्तन**

- **बाइनरी से दशमलव में बदलने के लिए** बाइनरी संख्या के प्रत्येक अंक को उसके स्थानीक मान से गुणा करके जोड़ा जाता है।
- **दशमलव से बाइनरी में बदलने के लिए** दिए गए अंक को 2 से भाग देते हैं और शेषफल को उल्टा लिखते जाते हैं।

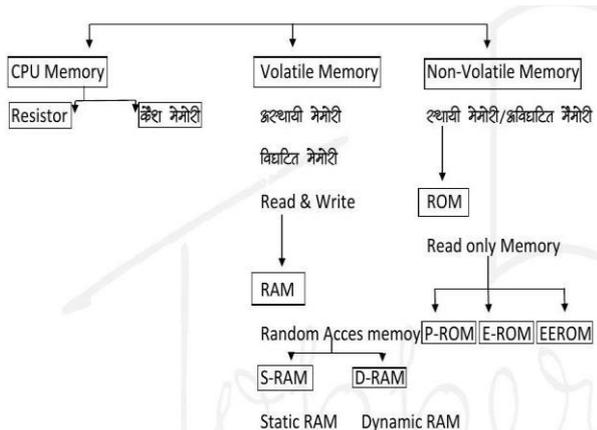
54. **कम्प्यूटर हार्डवेयर (Computer Hardware)**

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण Electronic Device	चुम्बकीय उपकरण Magnetic Device	यांत्रिक उपकरण Mechanical Device
---	-----------------------------------	-------------------------------------

55. कम्प्यूटर का वह भाग जहाँ पर डाटा पर कार्य किया जाता है, **प्रोसेसिंग यूनिट** कहलाता है।

56. वर्तमान में **पेंटियम II (P-II)** और **इंटेल पेंटियम III (P-III)** माइक्रोप्रोसेसर काम आ रहे हैं।

आंतरिक मेमोरी (Internal Memory) / मुख्य मेमोरी (Main Memory)



PROM - Programable read only memory

EROM- Erasable Programmable read only memory

EEROM- Electrically erasable programmable read only memory

57. **मेन मेमोरी (Main Memory)** कम्प्यूटर के अंदर माइक्रोप्रोसेसर या मदरबोर्ड के साथ लगी रहती है।

- **ROM (Read Only Memory)** - यह एक स्थायी मेमोरी है जिसमें संग्रहित डेटा और सूचनाएँ न तो नष्ट होती हैं और न ही उनमें परिवर्तन किया जा सकता है।
- **पी-रोम (PROM - Programmable Read Only Memory)** - यह एक विशेष प्रकार की ROM है जिसमें उपयोगकर्ता के अनुसार डेटा की प्रोग्रामिंग की जा सकती है।
- **ई-पीरोम (EPROM - Erasable Programmable Read Only Memory)** - इसमें संग्रहित डेटा या प्रोग्राम को मिटाकर नया प्रोग्राम लिखा जा सकता है।
- **ई-ई-पीरोम (EEPROM - Electrically Erasable Programmable Read Only Memory)** - इसमें भी पुराने प्रोग्राम को मिटाया जा सकता है और नया डेटा लिखा जा सकता है।
- **रैम (RAM - Random Access Memory)** - यह एक कार्यकारी/अस्थायी मेमोरी होती है।
- **कैश मेमोरी (Cache Memory)** - यह मेन मेमोरी और CPU के बीच की एक तेज मेमोरी होती है, जहाँ बार-बार प्रयोग में आने वाले डेटा और निर्देशों को संग्रहित किया जाता है।

58. **द्वितीयक या सहायक मेमोरी** को Secondary Storage Unit, गौण स्मृति, या Auxiliary Storage Unit भी कहा जाता है।

- **फ्लॉपी डिस्क (Floppy Disk)** - प्लास्टिक के वर्गाकार आवरण के अंदर स्थित प्लास्टिक का एक वृत्ताकार डिस्क होता है।
- **हार्ड डिस्क (Hard Disk)** - यह एल्युमिनियम के बने एक डिस्क पर चुंबकीय पदार्थ का लेप होता है। इसकी भंडारण क्षमता बहुत अधिक होती है।
- **सीडी-रोम (CD-ROM - Compact Disk Read Only Memory)** - यह प्लास्टिक का बना एक वृत्ताकार डिस्क होता है। इसके ऊपर लेपित पदार्थ पर प्रकाश की किरणों परावर्तित होती हैं।
- **सीडी-आर (CD-R - CD-Recordable)** - इसे WORM (Write Once Read Many) डिस्क कहा जाता है, यानी इस पर एक बार लिखा जा सकता है और कई बार पढ़ा जा सकता है।

- **सीडी-आर/डब्ल्यू (CD-R/W - CD-Read/Write)** - इस प्रकार की सीडी पर बार-बार लिखा और पढ़ा जा सकता है।
- **डीवीडी (DVD - Digital Video Disk)** - इसमें ध्वनि के लिए डॉल्बी डिजिटल या डिजिटल थिएटर सिस्टम का प्रयोग किया जाता है।
- **पेन ड्राइव (Pen Drive)** - इसे USB (Universal Serial Bus) पोर्ट में लगाकर डेटा को संग्रहीत, परिवर्तित या पढ़ा जा सकता है।

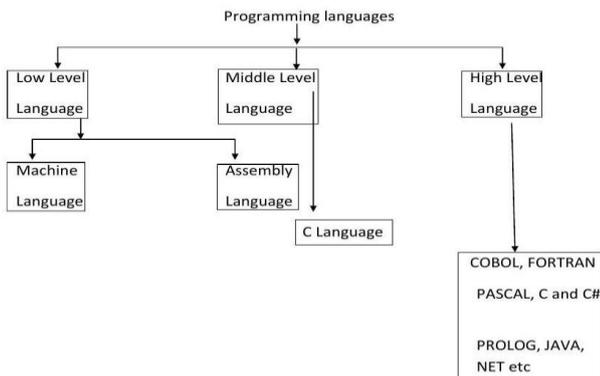
59. प्रारम्भ में प्रोग्रामर द्वारा कंप्यूटर को कमांड देने के लिए केवल 0 और 1 का ही प्रयोग किया जाता था, जिसे **मशीनी भाषा** कहते हैं।

60. **असेंबली कूट भाषा** एक निम्न स्तरीय कंप्यूटर भाषा है जिसमें याद रखने लायक कोड का उपयोग किया गया है, जिसे **निमोनिक कोड** कहा जाता है।

61. उच्च स्तरीय भाषा में प्रोग्रामिंग करना बहुत आसान है।

- **फोरट्रान (FORTRAN)** - यह "फॉर्मूला ट्रांसलेशन" (Formula Translation) का संक्षिप्त रूप है।
- **पैस्कल भाषा (PASCAL)** - यह बिना संख्याओं की प्रोग्रामिंग के लिए उत्तम भाषा है।
- **सी++ भाषा (C++ language)** - यह एक जनरल पर्पज कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा है।

62.



63. **जावा (Java)** भाषा, C और C++ की तरह ही है, लेकिन इसमें पूर्णतः Object Model का प्रयोग किया जाता है।

64. **लिस्प (LISP)** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के अनुसंधान क्षेत्र में काम आने वाली सहायक भाषा है। यह बहुत पुरानी उच्च स्तरीय कंप्यूटर भाषा है।

65. **कोबोल (COBOL - Common Business Oriented Language)** - यह डेटा प्रोसेसिंग में काम आने वाली एक भाषा है। इसका उपयोग वाणिज्यिक कार्यालयों में किया जाता है।

66. **बेसिक (BASIC - Beginners All-purpose Symbolic Instruction Code)** - यह PC पर काम करने वाली एक प्रचलित प्रोग्रामिंग भाषा है।

67. **लोगो (LOGO)** - इस भाषा का विकास लिस्प भाषा के आधार पर किया गया है।

68. **एल्गोल (ALGOL - Algorithm Language)** - इस भाषा का उपयोग वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

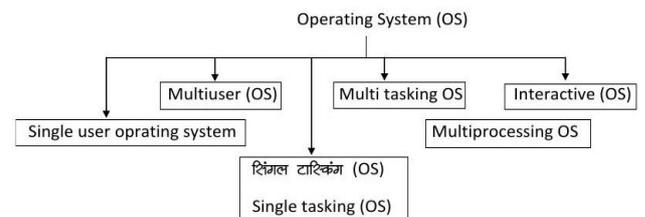
69. **सी शार्प (C Sharp)** - इसे C# भी लिखा जाता है।

70. **कंप्यूटर सॉफ्टवेयर -**

- ऐसे प्रोग्रामों का समूह जो कंप्यूटर सिस्टम की क्रियाओं को नियंत्रित करते हैं, **सिस्टम सॉफ्टवेयर** कहलाता है।
- **एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (Application Software)** - यह विशेष और निश्चित कार्यों को संपन्न करने के उद्देश्य से बनाए जाते हैं।

71. **ऑपरेटिंग सिस्टम** को मास्टर कंट्रोलर प्रोग्राम भी कहा जाता है।

72. **ऑपरेटिंग सिस्टम का मुख्य कार्य** यूजर और हार्डवेयर के बीच में इंटरफ़ेस प्रदान करना है। यह कंप्यूटर की सभी युक्तियों का नियंत्रण करता है।



73. **सीपी/एम (CP/M)** - इसका पूरा नाम **कंट्रोल प्रोग्राम फॉर माइक्रो कंप्यूटर (Control Program for Micro Computers)** है।

74. **MS-DOS और PC-DOS** - यह Microsoft कंपनी द्वारा Intel 8088 चिप के लिए तैयार किया गया था।

75. **मैक ओएस (Mac OS)** - ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (GUI) को अपनाने का श्रेय इस ऑपरेटिंग सिस्टम को दिया जाता है।

76. **यूनिक्स (UNIX)** - यह एक बहु-उपयोगकर्ता और बहु-कार्य करने वाला ऑपरेटिंग सिस्टम है।

77. **सोलारिस (SOLARIS)** - यह ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (GUI) में कार्य करता है।

78. **विंडोज (Windows)** - यह सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला ऑपरेटिंग सिस्टम है।